

नकली घी बनाने की फैक्ट्री पर छापा मारा, 10 टन नकली घी पकड़ा

ओम गणपति मिलक प्रोजेक्ट नाम से नकली घी बनाने की सूचना मिली थी

जालोर, (कासं)। जालोर पुलिस ने सोमवार देर रात को शहर के पोनियानाडा रोड पर शिकायत मिलने पर ओम गणपति मिलक प्रोजेक्ट नाम की नकली घी की फैक्ट्री में नकली घी बनाने का अंदेश होने पर कार्यवाही कर धो की जब्त किया। जालोर शहर में पिछले कई सालों बाद पहली बार कार्यवाही होने से शहर में फल फूल रहे अवैध कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है। पिछले दो सालों से उक्त फैक्ट्री में घी बनाने का कारोबार फल फूल रहा था। वहीं जालोर शहर के निकट बिसनगढ़ में भी कार्यवाही की।

वहीं पुलिस ने सोमवार देर रात को कार्यवाही कर सैम्पल के लिए खाद्य सुरक्षा टीम को मौके पर बुलाकर नमूने लिए। उक्त टीम ने लिए गये घी के सैम्पलों को जांच के लिए एफएसएल लेब में भेजे जायेंगे। सैम्पल की जांच रिपोर्ट आने के बाद पुलिस उक्त मामले में कार्यवाही करेगी।

पुलिस ने फैक्ट्री से करीब 10 टन नकली घी पकड़ा है। पुलिस को सूचना मिली थी कि शहर में अलग-अलग ब्रांड से नकली घी बनाकर बेचा जा रहा था। पुलिस टीम ने दबिश दी तो अंदर नकली घी का पूरा कारखाना मिला। यहां पर पुलिस को अलग-अलग ब्रांड की पैकिंग मिली। टीम को मौके से धो की खुशबू के एसेंस और अन्य पदार्थ भी मिले हैं। धो की फैक्ट्री



जालोर पुलिस ने नकली घी बनाने की फैक्ट्री पर छापा मारकर नकली घी जब्त किया।

में बड़े-बड़े स्टील के टैंक में मिलावटी पदार्थ मिला। फैक्ट्री में इस नकली घी को अलग-अलग ब्रांड के नाम से पैक किया जा रहा था। सरस जैसे प्रोजेक्ट के नाम से भी बेच रहे थे। फैक्ट्री में मिले पैकिंग में छोटे शब्दों में मारवाड की शान एवं बड़े अक्षरों में सरस लिखा हुआ था। जैनुल शुद्ध धो, जय श्री कृष्णा गाय का धो, ओम गजानंद धी

जैसे ब्रांड का उपयोग हो रहा था। गजानंद ब्रांड का धो प्रदेशभर में सप्लाई हो रहा है। इस नाम को यहां पर ओम गजानंद जोड़कर बेचना शुरू कर दिया था। ऐसे में गजानंद ब्रांड ने इसकी शिकायत पुलिस को की तो फैक्ट्री पर दबिश दी गई। साइबर क्राइम के डीएसपी राजेश टेलर ने बताया कि ओम गजानंद नाम

से मार्केट में नकली घी सप्लाई किया जा रहा था। शिकायत पर उन्होंने पुलिस टीम के साथ नकली घी की फैक्ट्री पर छापेमारी की तो वहां बड़ी मात्रा में नकली घी मिला। उन्होंने बताया कि 2 साल से फैक्ट्री चलने की जानकारी सामने आ रही है। फैक्ट्री का मालिक महावीर सिंह और बकवीर सिंह बोया है। फैक्ट्री में पुलिस को स्टील के बने

फैक्ट्री में नकली घी को अलग-अलग ब्रांड के नाम से पैक किया जा रहा था

बड़े-बड़े टैंक में मिलावटी पदार्थ मिला है। यह पदार्थ धो की तरह जम रहा है। पुलिस के अनुसार इसी पदार्थ से नकली घी को बनाया जा रहा था। हालांकि इसकी जांच के बाद ही पता चल पाया कि यह कौनसा पदार्थ है। पुलिस सभी मिलावटी पदार्थों को भी बरामद करने की कार्रवाई की। फैक्ट्री में यूरिया खाद का भी कट्टा मिला है, ऐसे में आशंका है कि यूरिया खाद का भी घी बनाने में इस्तेमाल किया जा रहा था।

डीएसपी राजेश टेलर ने बताया कि फैक्ट्री में दबिश देने के अलावा पंचायत समिति के सामने स्थित पवन एजेंसी से भी सैपल लिए हैं, जो खाद्य विभाग को भेजे हैं। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा बिसनगढ़ में भी इसी फैक्ट्री का धो जा रहा था। वहां पर पुलिस ने दुकान से सैपल लेकर दुकान को सील किया है। यहां गजानंद ब्रांड की पैकिंग करके मार्केट में भी बेचा जा रहा था।

बजरी माफिया ने रॉयल्टी नाकाकर्मियों से मारपीट कर टैंट में आग लगाई

आधा दर्जन लखरी कारों में सवार होकर आए बदमाशों ने नाके पर लूट और तोड़फोड़ भी की



मांडलगढ़ के बिलिया रॉयल्टी नाके पर लगे टैंट में बजरी माफिया ने आगजनी की।

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ के जालियां गांव के पास बजरी माफिया की दबंगई का मामला सामने आया है। यहां लीज धारक के कर्मचारियों द्वारा बनास नदी से अवैध खनन कर बजरी ले जा रहे ट्रैक्टर ट्रॉली को पकड़ने पर माफिया गिरोह ने रॉयल्टी कर्मचारियों के साथ मारपीट कर रॉयल्टी नाके के टैंट में आग लगा दी।

जानकारी अनुसार बजरी माफिया ने एक माह में यह दूसरी वारदात को अंजाम दिया है। इससे इलाके में पुलिस के लॉयन ऑर्डर पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। मांडलगढ़ के बीगोद थाना क्षेत्र के जालियां के पास बिलिया रॉयल्टी नाके पर बीती रात बनास नदी से अवैध बजरी भर कर ट्रैक्टर ट्रॉली जा रही थी,

■ बजरी माफिया ने एक माह में दूसरी वारदात को अंजाम दिया है

■ दो दर्जन आरोपियों के खिलाफ दर्ज हुआ मामला

इस दौरान रॉयल्टी नाके के कर्मचारियों ने ट्रैक्टर ट्रॉली को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। इस मामले की भनक लगने पर बजरी माफिया गिरोह के लोग आधा दर्जन लखरी कारों में आए और रॉयल्टी कर्मचारियों के साथ मारपीट करने लगे। इस बीच नाके के अन्य

कर्मचारी जान बचा कर भाग गए। बजरी माफिया गिरोह ने रॉयल्टी नाके पर जम कर तोड़फोड़ कर 11 हजार की नकदी लूट ली। बजरी माफिया ने टैंट में आग लगा दी। इससे टैंट में रखा सामान जल कर राख हो गया।

बिलिया गांव के रॉयल्टी नाका कर्मचारी शैतान सिंह ने बैरू लाल गुर्जर समेत दो दर्जन लोगों के खिलाफ बीगोद थाने में मामला दर्ज कराया है। गत दिनों में भी बैरू लाल गुर्जर और इसके गिरोह ने एक अन्य रॉयल्टी नाके के लेपटाप के हवाले कर दिया। इस मामले की भनक लगने पर बजरी माफिया गिरोह के लोग आधा दर्जन लखरी कारों में आए और रॉयल्टी कर्मचारियों के साथ मारपीट करने लगे। इस बीच नाके के अन्य

सांभर साल्ट के उत्पादन क्षेत्र में 10 फ्लेमिंगो पक्षी मृत मिले



गुढा के नजदीक साल्ट प्रोडक्शन एरिया की तरफ झील में मृत पाए गए फ्लेमिंगो पक्षी।

सांभरझील, (निसं)। सांभर साल्ट की गुढा स्थित प्रोडक्शन एरिया की तरफ 10 फ्लेमिंगो पक्षियों के मृत मिलने से वन विभाग एवं प्रशासनिक अधिकारियों में जबरदस्त हड़कंप मच गया। जानकारी मिलने पर मौके पर एसडीएम, तहसीलदार, सांभर साल्ट के जीएम, पशु चिकित्सा अधिकारी, वन विभाग के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे तथा मौका निरीक्षण किया। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर लेखराज चौधरी ने बताया कि पक्षियों के शव पर जले हुए निशान पाए गए हैं, कुछ झूलसने से काले पड़ गए थे, एक ही गर्दन

■ 8 पक्षियों को वैज्ञानिक पद्धति से दफनाया 2 के शव पोस्टमार्टम के लिए जयपुर भेजे

■ एसडीएम, तहसीलदार, सांभर साल्ट के जीएम, पशु चिकित्सा अधिकारी मौके पर पहुंचे

कटी हुई थी। झील एरिया में सांभर साल्ट की हार्ड वोल्टेज लाइन भी गुजर रही है। प्रारंभिक तौर पर ऐसा प्रतीत होता है कि विद्युत तारों की चपेट में आने की वजह से इनकी मौत हुई है लेकिन वास्तविक कारणों का पता शवों के पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। वन विभाग के श्यामश्री शर्मा ने

बताया कि मृत पक्षियों के शवों को सुरक्षित तरीके से दफना दिया गया है। चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर दो फ्लेमिंगो पक्षियों के शव को जयपुर स्टेट डिजीन डायग्नोस्टिक लेबोरेटरी में पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। सांभर साल्ट के जीएम रक्षपाल सिंह से बात करनी चाही लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया।

खेत से छह पैकेट हेरोइन और ड्रोन का मलबा बरामद

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले के श्रीकरणपुर इलाके के गांव 24 ओ भुट्टीवाला के आसपास खेतों में पुलिस को छह पैकेट में हेरोइन मिली। यह कितनी मात्रा में है इसकी पुष्टि जानकारी तो अब तक पुलिस या बीएसएफ ने नहीं दी है लेकिन खेतों में हेरोइन के पैकेट मिलने की पुष्टि पुलिस के उच्च अधिकारियों ने की है। घटना के बाद इलाके में बीएसएफ ने सर्च ऑपरेशन चलाया है। हालांकि अब तक कोई तस्कर पकड़ में नहीं आया है। मौके से एक ड्रोन का मलबा भी मिला है। यह खेतों में कैसे गिरा इसकी पुष्टि भी नहीं हुई है। ग्रामीणों को खेतों में कुछ पैकेट पड़े देखे तो उन्होंने इसकी सूचना निकट के बीएसएफ जवानों को दी। बीएसएफ ने तुरंत इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। हालांकि अब तक किसी तस्कर की गिरफ्तारी की जानकारी नहीं मिली है। घटना की पुष्टि करते हुए एसपी सतनाम सिंह ने कहा कि हमें श्रीकरणपुर बॉर्डर इलाके में हेरोइन मिलने की सूचना मिली है। इसके साथ ड्रोन का मलबा भी मिला है।

ट्रेलर ने चार युवकों को कुचला, मौके पर मौत

दूदू/जयपुर, (निसं)। जयपुर-अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार को गैजी मोड के पास एक भीषण सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार ट्रेलर ने सड़क किनारे खड़े चार युवकों को चपेट में ले लिया। हादसे में चारों की मौके पर मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और चारों के शवों को दूदू राजकीय उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस ने बताया कि अजमेर मार्ग पर गैजी मोड के पास बाइक सवार दो युवक अपने साथी दो युवकों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान जयपुर

से अजमेर की तरफ तेज गति से जा रहे ट्रेलर ने सड़क किनारे बाइक सहित खड़े चारों युवकों को चपेट में लेते हुए काफी दूरी तक धसीटता हुआ ले गया। जिससे पड़ासोली गांव के रहने वाले जितेंद्र पुत्र अशोक, पप्पू पुत्र हनुमान माली, सलीम पुत्र पीरू खां व अमर चंद पुत्र मोहन लाल माली की मौत हुई। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को दूदू राजकीय उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिए गए। चालक ट्रेलर से लेकर मौके से फरार हो गया।

सूने मकान को चोरों ने बनाया निशाना

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के भीमगंज थाने क्षेत्र की सांगानेर कॉलोनी गली नंबर 12 में चोरों ने एक मकान को निशाना बनाते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। जानकारी के अनुसार रमेशचंद्र कोली अपने परिवार के सदस्यों के साथ 17 फरवरी को सामाजिक कार्यक्रम में शरीक होने जयपुर गए हुए थे, इस दौरान घर सूना था। 20 फरवरी को रात 3 से 6 बजे के बीच चोरों ने कोली के घर के ताले तोड़कर अंदर प्रवेश कर 50 हजार रूपये नकद, दो तोला सोने की अंगुठी, एक तोले का ओम का पेंडल, दो जोड़ी चांदी की पायजेब 525 ग्राम, एक चांदी का कडा, 2 कड़े बच्चों के, बच्चों के पायजेब 2 जोड़ी, 6 जोड़ी चांदी की बिच्छियां चुरा ली। सुबह करीब 7 बजे के लगभग परिवारों के परिचित की सूचना पर जयपुर से भीलवाड़ा आकर देखा तो घर का सामान बिखरा हुआ था। मकान के सभी कमरों व मेन गेट के ताले टूटे हुए थे। नकदी व जेवरत गायब थे। इसकी सूचना भीमगंज थाना पुलिस को दी गई।

अधिवक्ता जुगराज हत्याकांड: परिजनों ने नहीं उठाया शव

जोधपुर, (कासं)। शहर में गत शनिवार को अधिवक्ता जुगराज की हत्या के बाद लामबद्ध हुए अधिवक्ताओं का आज दूसरे दिन भी न्यायिक कार्यों का बहिष्कार जारी रहा। नई सड़क से लेकर एमजीएच मोर्चरी तक खूब हंगामा और प्रदर्शन हुआ। नई सड़क पर वकीलों ने मानव श्रृंखला बनाकर प्रदर्शन किया तो एमजीएच के बाहर धरना देकर बैठ गए। अधिवक्ता जुगराज का शव आज चौथे दिन भी मोर्चरी में रखा रहा। अधिवक्ता मुआवजा सहित कई अन्यायों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। शाम तक जोरदार स्थिति बनी रही। फिलहाल धरना प्रदर्शन खत्म होने के आसार नजर नहीं आए।

इधर प्रदर्शन को देखते हुए यातायात पुलिस ने वाहनों का ड्रायवर्जन कर दिया। जिससे जालोरी गेट, चौपासी रोड, सरदारपुरा एरिया में जाम वाली

■ शहर में वकीलों ने बनाई मानव श्रृंखला, जोधपुर बंद की चेतावनी दी

स्थिति बनी रही। माता का थान क्षेत्र में वकील जुगराज चौहान की सरैराह हत्या के बाद से मांगों को लेकर वकीलों का धरना प्रदर्शन जारी है। 18 फरवरी को हत्या के बाद से चौथे दिन भी परिजनों ने शव नहीं उठाया। हाईकोर्ट की दोनों एसोसिएशन एडवोकेट एसोसिएशन व लॉयर्स एसोसिएशन ने कोर्ट में हड़ताल रखी वही अधिवक्ताओं ने आज सोजती गेट तक रैली निकाल कर प्रदर्शन किया। दोनों एसोसिएशन के अध्यक्ष का कहना है कि परिजनों को सुरक्षा, एक करोड़ की सहायता व आश्रितों को सरकारी नौकरी की मांग कर रहे हैं। अधिवक्ता मुख्यमंत्री से भी मिले थे। मुख्यमंत्री

ने सकारात्मक आश्वासन देने के बावजूद जिला प्रशासन की ओर से किसी भी प्रकार की सहायता राशि व पुलिस प्रोटेक्शन के आदेश नहीं दिए गए और ना ही मांगें मानी हैं। जिससे आहत होकर आज सोजती गेट पर धरना देकर रास्ता जाम किया गया है। मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र में वकील की जघन्य हत्या होने के बावजूद प्रशासन ने किसी प्रकार का सहयोग नहीं दिखाया है। यही रवैया रहा तो एक दो दिन में जोधपुर बंद करवाया जाएगा।

सोमवार से आज तक हाईकोर्ट में कोई सुनवाई के दौरान वकील नहीं पहुंचे। सभी वकीलों ने रैली निकाल सोजती गेट पर धरना दिया। वकील आज सोजती गेट का रास्ता जाम कर प्रदर्शन किया व जोधपुर बंद की चेतावनी दी है।

एडवोकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रणजोत जोशी ने कहा कि अफसोस होता है सीएम के

विधानसभा क्षेत्र में दिन दहाड़े हत्या हो जाती है। एक सप्ताह में चार वकीलों पर अटैक होते हैं। उनके गुद्द जिले में वकील सुरक्षित नहीं हैं तो राजस्थान में कानून की व्यवस्था के क्या हाल होंगे। उन्होंने बताया कि एडीसीपी नाजिम अली व एसडीएम बात करने आए थे लेकिन कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकले। सहायता राशि व अन्य मांगें नहीं मान ली जाती तब तक वकील आंदोलन करेंगे।

वकीलों की दोनों एसोसिएशन ने पहले ही प्रशासन को चेतावनी था कि मांगें नहीं मानी तो मंगलवार यानी आज हेरिटेज भवन से सोजती गेट चौगुहे तक हजारों की संख्या में वकील पैदल रैली निकालेंगे। फिर सोजती गेट पर धरना देकर रास्ता जाम किया जाएगा। अधिवक्ताओं के रास्ता जाम करने से ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ गई।

घर में घुसा "कबर बिज्जू", चार घण्टे परिवार दहशत में रहा



कबर बिज्जू को वन विभाग के सुपुर्द किया।

पावटा, (निसं)। पावटा कस्बे में मोदी मंदिर के पास अनिल सैन के घर में शाम 7 बजे के लगभग एक "कबर बिज्जू" दिखने से हड़कंप मच गया। परिवार कुछ समझ पाता इसके पहले कमरे से भाग खड़े हुए। फिर बिना देरी किए भानु सैन पुत्र अनिल सैन ने इसकी जानकारी पार्षद संजय सैन को दी उन्होंने इसकी सूचना वन विभाग को दी। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम असफल रही। इसके बाद पावटा श्रीराम गो सेवा समिति के सदस्यों ने चार घण्टे की कड़ी मशक्कत के बाद पकड़ पाने में सफल हुए तब जाकर घर वालों ने राहत महसूस किया और वन विभाग को सुपुर्द किया गया। घर वालों ने पावटा श्री राम गो सेवा समिति के युवा सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया। वहीं पार्षद संजय सैन, एडवोकेट लोकेश कुमार शर्मा, अनिल

■ वन विभाग की टीम रही असफल, गौ सेवकों ने सफल रेस्क्यू किया

सैन, बीरबल गडवाल, रूपेश कुमार शर्मा, कुलदीप गडवाल, गुलशन सैन, अमित सैन सहित अनेकों लोगों की भीड़ कबर बिज्जू को देखने के लिए इकट्ठा हो गई। वहीं समिति वही गौ सेवक टीम प्रहलाद सैन, लोकेश टांक, धीरज सैनी, अमित बटवाल, नितेश कुमार शर्मा, आदित्य गौड़, अमन मिश्रा, सावर मल सैनी, प्रदीप टांक, मनोज सैनी सहित गौ सेवक सदस्यों के कार्य को सराहना की।

बाड़मेर रिफाइनरी "ज्वेल ऑफ द डेजर्ट" साबित होगी: हरदीप सिंह पुरी

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री पुरी ने एच.पी.सी.एल. में मीडिया को संबोधित किया

जोधपुर, (कासं)। बाड़मेर रिफाइनरी "ज्वेल ऑफ द डेजर्ट" साबित होगी। यह योजना राजस्थान के लोगों के लिए रोजगार, अवसर और खुशी लाएगी। यह बात केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को एचपीसीएल में मीडिया को संबोधित करते हुए कही। राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल) परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि परियोजना की परिकल्पना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया दृष्टिकोण के अनुसार की गई है।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एचआरआरएल कॉम्प्लेक्स, पचपदरा में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान के बाड़मेर में ग्रीनफील्ड रिफाइनरी सह पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स की स्थापना हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और राजस्थान सरकार (जीओआर) की एक संयुक्त उद्यम कंपनी एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल) द्वारा की जा रही है। जिसमें क्रमशः 74 प्रतिशत और 26 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

उन्होंने बताया कि परियोजना की परिकल्पना 2008 में की गई थी। शुरूआत में इसे 2013 में मंजूरी दी गई थी। 2018 में इसे फिर से आकार दिया गया और भारत के प्रधानमंत्री द्वारा इसकी शुरुआत की गई थी। कोविड-19 महामारी के 2 वर्षों के दौरान सामने आई बाधाओं के बावजूद परियोजना का 60 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो चुका है।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री ने बताया कि एचआरआरएल रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स 9 एमएमटीपीए कच्चे तेल को संसाधित करेगा और 2.4 मिलियन टन से अधिक पेट्रोकेमिकल का उत्पादन करेगा जो पेट्रोकेमिकल के कारण आयात बिल को कम करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना न केवल पश्चिमी राजस्थान के लिए औद्योगिक केंद्र के लिए एक प्रमुख उद्योग के रूप में कार्य करेगी बल्कि 2030 तक 450 एमएमटीपीए शोधन क्षमता हासिल करने के अपने दृष्टिकोण के लिए भारत को एक करोड़ रुपये तक कम कर देगा। रिफाइनरी की स्थापना के कारण क्षेत्र में कनेक्टिविटी में वृद्धि की चर्चा करते हुए, पुरी ने बताया कि आसपास



केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एच.पी.सी.एल. का निरीक्षण किया।

95 हजार करोड़ रुपये का है। यह पोस्ट कमीशन आयात बिल को 26 हजार करोड़ रुपये तक कम कर देगा। रिफाइनरी की स्थापना के कारण क्षेत्र में कनेक्टिविटी में वृद्धि की चर्चा करते हुए, पुरी ने बताया कि आसपास

के क्षेत्रों में गांवों के लिए सड़कों के निर्माण से क्षेत्र में कनेक्टिविटी में सुधार लाने में सहायता मिलेगी। पुरी ने परियोजना के पर्यावरण संबंधी लाभों का भी उल्लेख किया। उन्होंने जानकारी दी कि रिफाइनरी परिसर में डेमोइसेल

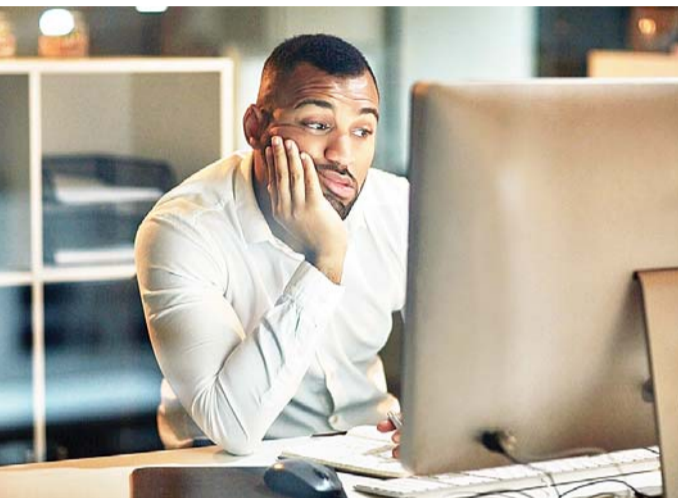
बगुला जैसे प्रवासी पक्षियों के लिए आद्रभूमि वास का भी विकास किया जा रहा है। पर्यावरण को लाभ पहुंचाने वाले अन्य काम भी किए जा रहे हैं, उनमें प्राकृतिक सतही जल निकासी का कायाकल्प तथा पचपदरा से खेड़ तक

वृक्षारोपण शामिल है। इसके अतिरिक्त, एएफआरआई द्वारा परिसर में रेगिस्तानी भूमि के लिए अध्ययन किया जा रहा है जिससे कि भूमि में उच्च लवणीय तत्व पर विचार करते हुए इसे हरित पट्टी के रूप में परिवर्तित किया जा सके। इस परियोजना के कारण, राजस्व में वृद्धि के बारे में चर्चा करते हुए, उन्होंने कहा कि राज्य के खजाने को पेट्रोलियम सेक्टर द्वारा बढ़ाया जा रहा है। वित्त मंत्रालय के योगदान लगभग 27,500 करोड़ रुपये का होगा जिसमें से रिफाइनरी परिसर का योगदान 5,150 करोड़ रुपये का होगा। इसके अतिरिक्त, लगभग 12,250 करोड़ रुपये के बराबर के उत्पादों के निर्यात से बहुमूल्य विदेशी मुद्रा भी अर्जित होगी। इस दौरान केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलशा चौधरी, पूर्व राजस्व मंत्री अमराराम चौधरी, भाजपा जिला अध्यक्ष बाबू सिंह राजगुरु, भाजपा बाड़मेर जिला अध्यक्ष स्वरूप सिंह खारा, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश कार्य समिति सदस्य गोविंद सिंह कालुड़ी, नगर मंडल अध्यक्ष अमराराम सुदेशा सहित पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

#RESEARCH

Bad Mood is Good Time to Proofread

"We show that when people are in a negative mood, they are more careful and analytical. They scrutinize what's actually stated in a text, and they don't just fall back on their default world knowledge."



If you're dealing with a piece of work that requires spotting inconsistencies, it may be an idea to wait until you're in a bad mood. When you're in a bad mood, you might want to focus on tasks that are more detail-oriented, such as proofreading, research indicates.

The study, published in Frontiers in Communication, builds on existing research on how the brain processes language.

Vicky Lai, assistant professor of psychology and cognitive science at the University of Arizona, worked with collaborators in the Netherlands to explore how people's brains react to language when they are in a happy mood versus a negative mood.

"Mood and language seem to be supported by different brain networks. But we have one brain, and the two are processed in the same brain, so there is a lot of interaction going on," Lai says. "We show that when people are in a negative mood, they are more careful and analytical. They scrutinize what's actually stated in a text, and they don't just fall back on their default world knowledge."

Good Mood, Bad Mood

Lai and co-authors set out to manipulate study participants' moods by showing them clips from a sad movie, Sophie's Choice or a funny TV show-Friends. They used a computerized survey to evaluate participants' moods before and after watching the clips. While the funny clips did not affect participants' moods, the sad clips succeeded in putting participants in a more negative mood, the researchers found.

The participants then listened to a series of emotionally neutral audio recordings of four-sentence stories that each contained a "critical sentence" that either supported or violated default, or familiar word knowledge. That sentence was displayed one word at a time on a computer screen, while participants' brain waves were monitored by EEG, a test that measures brain waves.

For example, the researchers presented study participants with a story about driving at night that ended with the critical sentence "With the lights on, you can see more." In a separate story about stargazing, the same critical sentence was altered to read "With the lights on, you can see less." Although that statement is accurate in the context of stargazing, the idea that turning on the lights would cause a person to see less is a much less familiar



concept that defies default knowledge.

The researchers also presented versions of the stories in which the critical sentences were swapped so that they did not fit the context of the story. For example, the story about driving at night would include the sentence "With the lights on, you can see less."

They then looked at how the brain reacted to the inconsistencies, depending on mood.

Analysing The Language
They found that when participants were in a negative mood, based on their survey responses, they showed a type of brain activity closely associated with proofreading, research indicates.

"We show that mood matters, and perhaps when we do some tasks we should pay attention to our mood," Lai says. "If we're in a bad mood, maybe we should do things that are more detail-oriented, such as proofreading."

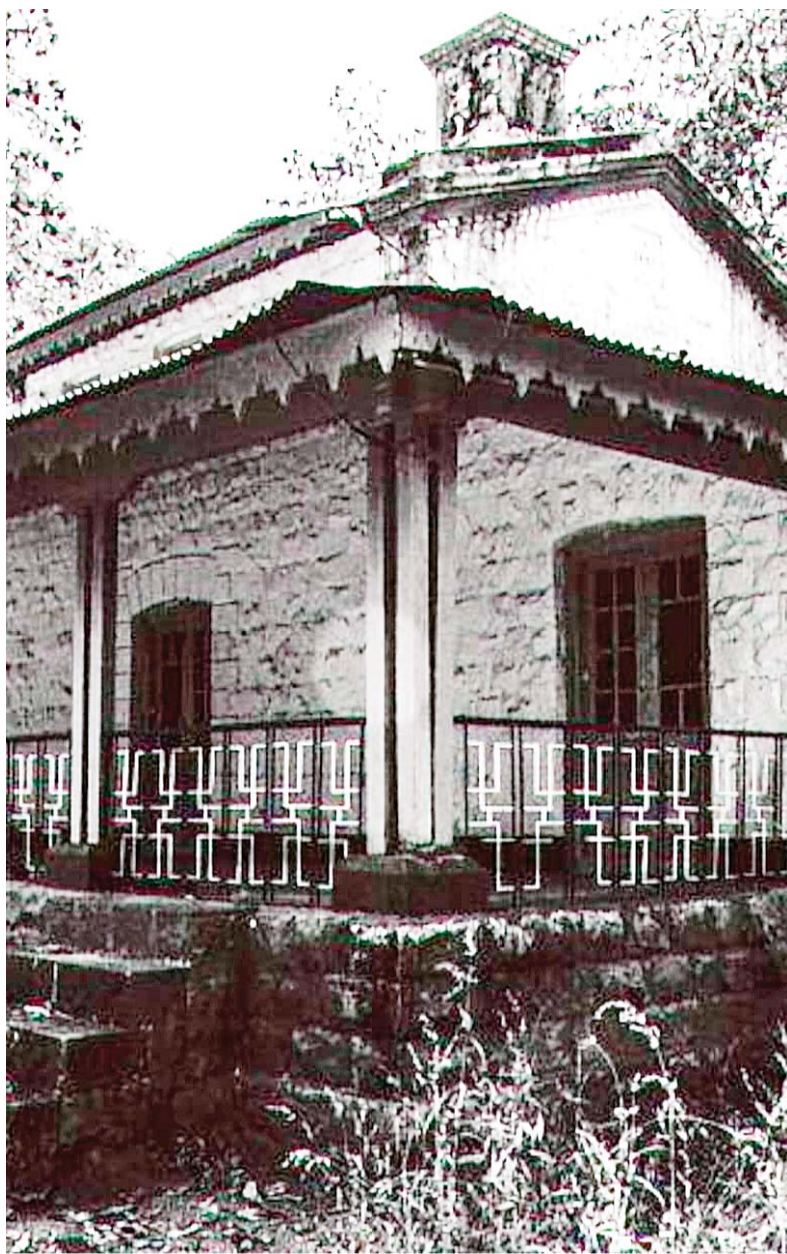
Study participants completed the experiment twice: once in the negative mood condition and once in the happy mood condition. Each trial took place one week apart, with the same stories presented each time.

"These are the same stories, but in different moods, the brain sees them differently, with the sad mood being the more analytical mood," Lai says. The study took place in the Netherlands; participants were native Dutch speakers, and the study was conducted in Dutch. But Lai believes their findings translate across languages and cultures.

By design, the study participants were all women, because Lai and her colleagues wanted to align their study with existing literature that was limited to female participants. Lai says future studies should include more diverse gender representation.

In the meantime, Lai and her colleagues say mood may affect us in ways more than we previously realized.

Co-authors are from Utrecht University and the Max Planck Institute for Psycholinguistics.



#SPOOKED

The winter as well keeping cool in summer; it is a repository of British government exhibiting the confluence of Indo-British architecture. It was believed that few of the dak bungalows of Indian hilly regions were said to be haunted by ghosts of shahib long dead and gone. Also those were the times where village idle locals temple priests would regale tales of bandits, evil spirits and would remarkably set up the stage with narration and sound effects. Choosing moonlit nights, my father's official orderly Arjan Singh in Jaipur was a master story teller.

Rare State of Jeopardy

This Dak banglow was definitely not a dwelling frequented particularly after sunset. I entered the details in the visitor book along with local reference of Daulat Electricals - Nimbahera. The room had two sturdy wooden chairs, a large bed - striped cotton bed sheets spread over a thick cotton mattress - pillows and a knitted woolen blanket along with a peculiar three legged round wooden table. The room had attached large bathroom cum Indian toilet, an aluminum mug and a bucket placed under a looming sturdy heavy duty bronze water tap. Significantly there was an exit from the bathroom opening to the small garden and the view of the pathway to the outhouse of the caretaker. The bathroom had a facility of double bolt both inside and outside.

I settled in my room, it was around 8.30 pm pitch dark outside only exception of a twin 4 ft. size hanging street light fixed in silver and black cast iron post at the far end corner of the banglow. I had stuffed couple of parathas and wheat halwa in my travelling steel tiffin box while leaving from Chittorgarh. I had the packed tiffin for dinner and finally settled with two editions of Rajasthan Patrika a prominent daily Hindi newspaper of Rajasthan.

Around mid-night I woke up to a sound from the bathroom the tap was leaking and the droplets from

The water is as you observe is not flowing now, then how, BEHRO! The bucket is full and the bathroom is wet showing proof of excess water drainage. Behro quietly stood, then meekly once again asked whether he should open the mainline valve, NO, No. I will manage with the bucket water but told him not to move from the verandah till I pack my belongings. I was ready soon to fill the three small sections of the visitors book, time and date of check out, next destination and payment with remarks. The room payment rupees seven and fifty paise - remark:- "BEHRO dependable attendant, however one more person is required for the night" explained the remarks to Behro with a tip of princely rupees five; Behro was delighted and asked me when will I visit again. I did not bother to answer and concluded that Dak Bungalows were anchor for wandering officials and travellers during BRITISH rule to the most inhospitable corners of the country. A person with a sensitive hide has no right to be here, especially overnight stays

Ghost at the Dak Bungalow of Nimbahera

the tap fully filled the bucket which was placed under the tap. Emptied the bucket and placed the bucket under the water tap, turned a valve/cut off above the water tap pipe, its closure shuts off the water flow. Having ensured that leakage has been plugged - I was able to sleep immediately. Nothing wakes up a youth particularly a travelling salesman! I woke up second time to a PLINK, PLINK PLOMP it was the noise of water droplets falling one after another and collecting in the bucket "Emptied" a while ago and the water pipe line GATE VALVE SHUT OFF!

I was still in the bed hearing the flow of the droplets constantly increasing expecting the water from the bucket to overflow. Got up quietly went in the direction of the switch and turned on the bedroom

light and in one quick reflex bolted the bathroom from outside, I was scared and realised that bathroom is one of the few places which is equipped with a bolt. Instantly felt relatively scared from the horrors that might be lurking inside the attached bathroom. There was no sleep now, lay motionless thinking of the main gate pipe valve, tap and the bucket. A feeble sound plink plink emanated, fear crept in, the sound of PLINK, PLINK, PLOMP increased droplets were filling the bucket rapidly and soon as expected an additional sound of water overflowing and draining! Terribly scared and defenceless from an unknown torture! I felt an urge to check the bathroom though natural instincts did not approve (bathroom is not a place anyone will remain longer than necessary), sudden uneasiness and advent of hiccups made me weak and feeble, dreaded that the noisy hiccups could so easily annoy the spirits around.

I was in a rare state of jeopordy and by chance remembered my grandfather at his multi-storey building in Tambaram a town near Chennai boldly faced a lurking demon at midnight around the house WATER - WELL and chased it away with a stick. Regained better sense, I gathered courage and stood near the bathroom door the sound of PLINK suddenly stopped, dead silence and hiccups ceased. Felt I definitely should not annoy the spirits if any inside, quietly retrieved to bed.

Restless and Scared

The commotion resumed this time with PLOMP, PLOMP, PLOMP along with the clamour of draining water from the bucket. While in bed I was inventing thoughts of long gone British sabbits the tales of village temple priests and Hindi movies like "Bin Badal Baraat" where I had left the theatre before intermission dreading watching the movie scene where the heroine every night alone in a dilapidated seashore villa confronted helplessly the horrors of satanic clatters and movement of drapes and curtains and portraits.

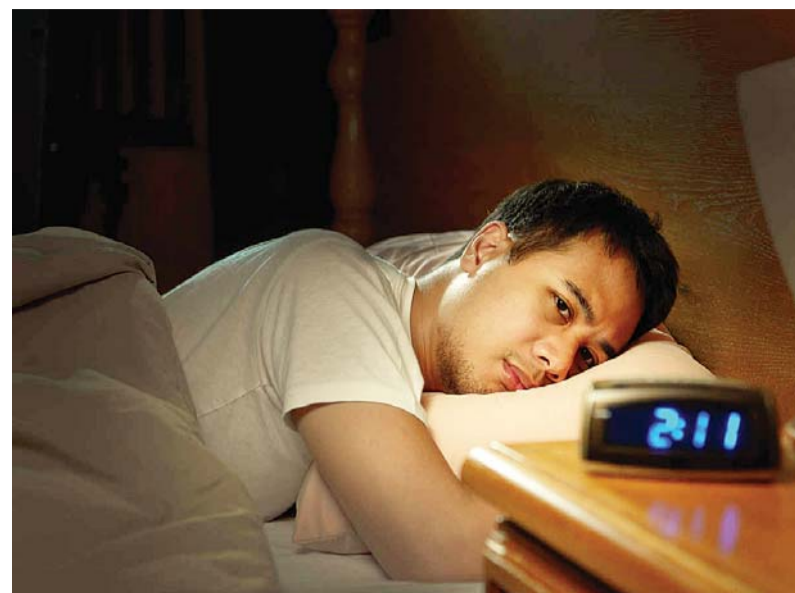
It was sheer stupidity to be in the similar 18th century secluded structure like the defenceless actress Waheeda of the horror movie. I visualised my grandfather's heroics and waited for Behro and the Dawn. Restless and scared I got up to the window, a glance at the hallway, a figure looked like a dangling silhouette, diverted attention to the gate, there the fluorescent light was bright and the shadow of the peepal tree was extending on the wall side of the banglow. Tired and hopeless I went to bed stuffing my head underneath the pillow, lay motionless till I heard some movement, leapt to the window and saw BEHRO standing near the gate, it was one of the most comforting and gratifying sight. Flung opened the door yelled BEHROO, he turned around and



Be Humble Day



umility may be the most difficult of all the virtues to truly attain. There seems to be a paradox in that claiming to have humility may be an act of pride. Be Humble Day focuses on humbling yourself. There is no boasting allowed on Be Humble Day. Choosing not to brag about your successes and abilities can prove to be much more difficult than one might anticipate, as the culture surrounding us is often centered on self and the successes achieved by an individual.



Sudhaby is a sleepy settlement close to the holy town Puskar near Ajmer where the "Ghost Fair" is held every year. The place is located in a scenic green valley near the flowing natural lake - here people come every year to get rid of the spirit they believe possess them. Only flowers of ROHEDA are offered in copper plate to the Demon Deity.

I asked who is the plumber here, myself said Behro, I fix water leakage as well electric fuses. When was the room 3 last occupied fetch the visitor-register, noted it was on 19th August 1968 almost 7 months ago by Ramanlal Meena Jr Engineer of state government posted in Ajmer. Behro dropped me on his bicycle at the bus depot a distance of more than a kilometre. BEHRO touched my feet and slowly cycled his way to the Dak Bungalow, my eyes moistened and I will remember him at all times.

"Ghost Fair"

A primary school teacher boarded from Nimbahera seated next to me in the bus during the conversation said that there is another guest house near his school and the Dak Bungalow where I stayed will be demolished, a proposal is in place to erect a dispensary.

Rajasthan is popular for its ancient historical location, Forts of "Bangarh" near Sariska Tiger Sanctuary in Alwar. The entire Fort is believed to be possessed by a Female Demon another is in "Kuldhana" near the border city of Jaisalmer. The village remains abandoned for nearly 400 years the natives affirm about devils dance forming group carrying torches made of several sticks bundled together and fastened to some animal bone at night for 3 days starting from the first day of amavasya.

"Sudhaby" is a sleepy settlement close to the holy town Puskar near Ajmer where the "Ghost Fair" is held every year. The place is located in a scenic green valley near the flowing natural lake - here people come every year to get rid of the spirit they believe possess them. Only flowers of ROHEDA which grows on Marwar Teak in Thar Desert are offered in copper plate to the Demon Deity. A strict dress code has to be followed of Black or dark Violet gown, liquor and currency are essential oblations offered by worshippers.

Ramjal Meena an official posted in Ajmer who was the last occupant of the Dak Bungalow Room-3, before my overnight stay almost seven months later; he would have not missed SUDHABAY FAIR.....

writetorabit@rashtradoot.com



came briskly "KYA BAAT HAI SHAHIB" Sir what is the matter - I put my arms around him took him to my room and pointed my finger to the bolted bathroom. He called me to the bathroom and said someone has switched off the main line valve and the water should flow once the knob is switched on, shall I open! I told him of the night ordeal and the commotion of leaking tap subsequent plugging the tap and the main valve. The bucket was empty, BONE DRY! I was in the bathroom around midnight for at least ten minutes, located the main line valve to be relieved from the sound of PLINK PLINK PLOMP. The water is as you observe is not flowing now, then how, BEHRO! The bucket is full and the bathroom is wet showing proof of excess water drainage. Behro quietly stood, then meekly once again

asked whether he should open the mainline valve, NO, No. I will manage with the bucket water but told him not to move from the verandah till I pack my belongings. I was ready soon to fill the three small sections of the visitors book, time and date of check out, next destination and payment with remarks. The room payment rupees seven and fifty paise - remark:- "BEHRO dependable attendant, however one more person is required for the night" explained the remarks to Behro with a tip of princely rupees five; Behro was delighted and asked me when will I visit again. I did not bother to answer and concluded that Dak Bungalows were anchor for wandering officials and travellers during BRITISH rule to the most inhospitable corners of the country. A person with a sensitive hide has no right to be here, especially overnight stays. Instead



#ENVIRONMENT

Reducing Cow Methane



A microbial culture developed from the kangaroo faeces inhibited methane production in a cow stomach simulator.

Baby kangaroo faeces might help provide an unlikely solution to the environmental problem of cow-produced methane, according to a new study.

A microbial culture developed from the kangaroo faeces inhibited methane production in a cow stomach simulator. After researchers added the baby kangaroo culture and a known methane inhibitor to the simulated stomach, it produced acetic acid instead of methane. Unlike methane, which cattle discard as flatulence, acetic acid has benefits for cows as it aids muscle growth.

"Methane emissions from cows are a major contributor to greenhouse gases, and at the same time, people like to eat red meat," says Birgitte Ahiring, professor in with the bio products, sciences, and engineering laboratory at Washington State University and corresponding author of the study in the journal Biocatalysis and Agricultural Biotechnology. "We have to find a way to mitigate this problem."

Reducing the burps and farts of methane emissions from cattle is no laughing matter. Methane is the second largest greenhouse gas contributor and is about 30 times more potent at heating up the atmosphere than carbon dioxide. More than half of the methane released to the atmosphere is thought to come from the agricultural sector, and ruminant animals, such as cattle and goats, are the most significant contributors. Furthermore, the process of producing methane requires as much as 10% of the animal's energy.

Researchers have tried changing cows' diets as well as giving them chemical inhibitors to slow methane production, but the methane-producing bacteria soon become resistant to the chemicals. They also have tried to develop vaccines, but a cow's microbiome depends on where it's eating, and there are far too many varieties of the methane-producing bacteria worldwide. The interventions can also negatively affect the animals' biological processes.

Ahiring and colleagues study fermentation and anaerobic processes and had previously designed an artificial rumen, the largest stomach compartment found in ruminant animals, to simulate cow digestion.

"With many enzymes that are able to break down natural materials, rumens have 'amazing abilities,' says Ahiring, who is also a professor in the School of Chemical Engineering and Bioengineering and in Biological System Engineering.

Looking to investigate how to outcompete the methane-producing bacteria in their reactor, Ahiring learned that kangaroos have acetic acid-producing, instead of methane-producing, bacteria in their foregut. Her students tracked down some kangaroos, took samples, and learned that the specialized acetic acid-producing process only occurred in baby kangaroos-not in adults.



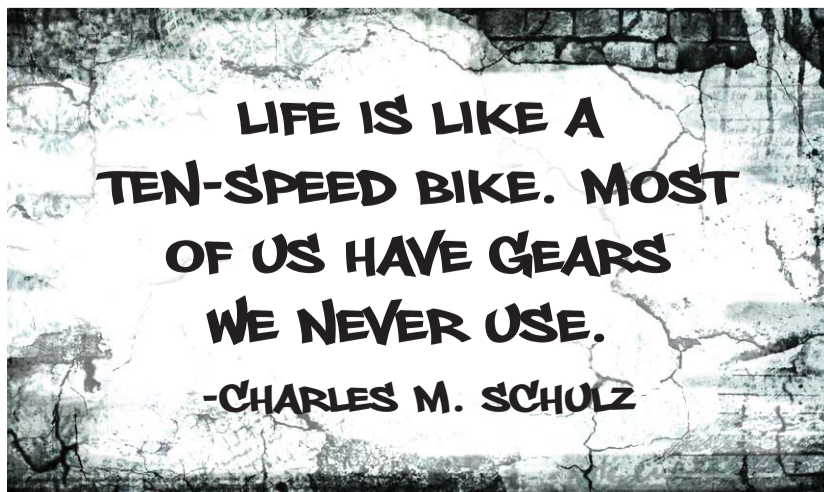
Unable to separate out specific bacteria that might be producing the acetic acid, the researchers used a stable mixed culture developed from the feces of the baby kangaroo.

After initially reducing the methane-producing bacteria in their reactor with a specialized chemical, the acetic acid bacteria were able to replace the methane-producing microbes for several months with a similar growth rate as the methane-producing microbes.

While the researchers have tested their system in the simulated rumen, they hope to try it on real cows sometime in the future.

"It is a very good culture. I have no doubt it is promising," Ahiring says. "It could be really interesting to see if that culture could run for an extended period of time, so we would only have to inhibit the methane production from time to time. Then, it could actually be a practice."

THE WALL



BABY BLUES



By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS



By Jerry Scott & Jim Borgman

डाक पार्सल वाहन में अवैध शराब ले जाते तस्कर गिरफ्तार

330 पेटियां अवैध शराब सहित पिकअप वाहन जब्त

अजमेर, (कासं)। जिला पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देशों पर शहर सहित जिले भर में अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम व तस्करों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार को जवाजा थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए डाक पार्सल में अवैध शराब परिवहन करते हुए तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वाहन से 330 अवैध शराब की पेटियां बरामद कर वाहन जब्त कर लिया है। पकड़ी गई अवैध शराब की कीमत लगभग 11 लाख रुपए है।



जवाजा पुलिस ने अवैध शराब सहित तस्करों को दबोचा।

अवैध शराब की कीमत लगभग 11 लाख रुपए बताई

इस्की शराब की 330 पेटियों सहित पिकअप वाहन को जब्त कर शराब तस्कर जयपुर मालवीय नगर निवासी सुरेंद्र सिंह राठी पुत्र प्रभु सिंह राठी को गिरफ्तार किया है।

पकड़ी गई अवैध शराब की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 11 लाख रुपए है। मामले में आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तस्कर को गिरफ्तार करने वाली टीम में जवाजा थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी मानवेंद्रसिंह, कानि. रिश्पाल चौधरी, मनीष चौधरी, सुरेंद्र सिंह, अनिल कुमार, नरेश शामिल रहे।

अजमेर शहर सहित जिले भर में अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम एवं तस्करों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। एएसपी ग्रामीण वैभव शर्मा के मार्गदर्शन व वृत्त अधिकारी ब्यावर मनीष चौधरी के सुपरविजन में उनके नेतृत्व में गठित टीम ने मंगलवार को नाकाबंदी की गई।

सिंह ने बताया कि थाने के कॉन्स्टेबल रिश्पाल चौधरी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक वाहन के जरिए शराब परिवहन किया जा रहा है, जिसके बाद थाने की टीम के द्वारा नाकाबंदी की गई और पिकअप वाहन को रूकवाकर चैकिंग की गई। पिकअप वाहन में रांयल क्लासिक

वृद्ध महिला की गला दबाने के बाद सिर में चोट मारकर हत्या

मृतका के पैरों में चांदी के कड़े, गले में सोने के रामनामी, मांदलिया सुरक्षित मिले

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के फुलियाकला थाना क्षेत्र के सरदारपुरा गांव में एक 68 साल की वृद्ध महिला की गला दबाने के बाद सिर में चोट मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

पुलिस अधीक्षक आदर्श सिद्धू ने बताया कि सरदारपुरा गांव की नंदू कौर (68) पत्नी स्वर्गीय गीला कौर हमेशा की तरह सोमवार सुबह दस-ग्यारह बजे के बीच घर से फसल की रखवाली के लिए खेत पर गई थी। दिनभर खेत पर काम करने के बाद नंदू शाम 5 से 5.30 बजे के बीच खेत से घर के लिए रवाना हुई लेकिन वह रास्ते में लापता हो गई। नंदू के घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने गांव वालों के साथ मिलकर तलाश शुरू की। रात में उसका कहीं पता नहीं चला। मंगलवार सुबह परिजन व ग्रामीण नंदू की तलाश कर रहे थे, तभी गांव से करीब दो किलोमीटर दूर नाहर सागर की नहर से सौ से डेढ़ सौ मीटर की दूरी पर लोगों को खून के धब्बे दिखाई दिये। इन धब्बों के साथ-साथ ये लोग नहर तक पहुंचे, जहां उन्हें लापता नंदू की लाश नहर में पड़ी मिली। खून बहा रहा था। वहीं मौके



वृद्धा का शव मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की।

पर शव को घसीटने के निशान भी थे। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद डीएसपी शाहपुरा, थाना प्रभारी दलपत सिंह मय जाबता मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी जुटाई। एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलावा लिया गया। थाना प्रभारी सिंह ने बताया कि नंदू के पैरों में चांदी के कड़े, गले में सोने के

गले में लुगड़ी का फंदा मिला और सिर में चोट के निशान थे। खून बिखरा पड़ा मिला। प्रथम दृष्टया अज्ञात बदमाशों ने नंदू की गला दबाने के बाद सिर में चोट मारकर हत्या कर दी। इसके बाद लाश को घसीटते हुये नहर में फेंक दिया। थाना प्रभारी सिंह ने बताया कि नंदू के पैरों में चांदी के कड़े, गले में सोने के

रामनामी मांदलिया सुरक्षित मिले है। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि नंदू की हत्या किसने और किन कारणों से की। घटना की गंभीरता को देखते हुए एएसपी सिद्धू, एएसपी चंचल मिश्रा भी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जायेगा।

डकैती की घटना को अंजाम देने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

मासलपुर/करौली, (निसं)। मासलपुर में डकैती की घटना को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार मासलपुर कस्बे में रविवार की रात्रि को दो मोहल्लों के तीन मकानों में हथियारों की नोक पर मारपीट कर डकैती को अंजाम देने वाले 8 बदमाशों में से पुलिस ने महज 5 घंटे में तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। वहीं घटना को अंजाम देने वाले में ली गई बोलेरो गाड़ी को भी जब्त किया है।

मासलपुर थाना अधिकारी परसोत्तम सिंह ने बताया कि गिरफ्तार

घटना को अंजाम देने में उपयोग में ली गई बोलेरो गाड़ी जब्त

आरोपी देवेन्द्र पुत्र कप्तान सिंह गुर्जर 30 निवासी नगर चलीपुरा नगर थाना डांग वसई जिला धौलपुर, बनवारी पुत्र कप्तान सिंह गुर्जर 50 निवासी मठ महुआ खेड़ा थाना कंचनपुर जिला धौलपुर एवं गिरांज पुत्र रणवीर सिंह गुर्जर 38 निवासी बरेला पुरा तन मोरोली थाना कोतवाली धौलपुर जिला धौलपुर हैं जिनके द्वारा 19 फरवरी की अर्ध रात्रि को कस्बे में पीड़ित कैलाश प्रजापत, दिनेश कहार, बोना कहार, के घर में

सुसकर हथियारों के बल पर मारपीट कर नगदी व जेवरत की लूटपाट की गई घटना के तुरंत बाद पुलिस ने पुलिस अधीक्षक नारायण सिंह टोंगस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद्र जैफ, उप अधीक्षक दीपक गर्ग के निर्देशन में गठित टीम ने अपराधियों की सर्रासों से तलाश शुरू कर दी।

इस दौरान आरोपियों की मरदई मोड़ के पास उपयोग में ली गई बोलेरो पंचर हो गई जिस पर आरोपी बिरहटा बिरहटी जंगल की ओर भाग गए। पुलिस ने पीछा कर तीन आरोपियों को घर दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों द्वारा घटना को अंजाम दिया जाना कबूला गया है।

पांच हजार रुपये का ईनामी बदमाश गिरफ्तार

करौली, (निसं)। मासलपुर थाना पुलिस ने बालघाट थाने 5 हजार रुपए के इनामी एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एक्सआइज एक्ट, आर्म्स एक्ट, ट्रेडमार्क एक्ट जैसी धाराओं में मामले दर्ज हैं। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। जिला पुलिस अधीक्षक नारायण सिंह टोंगस ने बताया कि मासलपुर थानाधिकारी पुरुषोत्तम सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को पुलिस टीम ने बालघाट थाने के आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपी अमृत उर्फ धम्मू पुत्र श्रीमन् गुर्जर 30 निवासी लपावली थाना बालघाट को मरदई के जंगल से दस्तयाव कर अनुसंधान अधिकारी और

करौली डीएसपी दीपक गर्ग को सुपुर्द किया है। पुलिस पूछताछ में कई वारदातों का खुलासा होने की संभावना है। आरोपी को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया है। आरोपी के ऊपर करौली एएसपी द्वारा 5 हजार रुपए का इनाम घोषित है। आरोपी के खिलाफ बालघाट थाने में एक्सआइज एक्ट, आर्म्स एक्ट और ट्रेडमार्क एक्ट जैसी संगीन धाराओं में मामला दर्ज है। कार्यवाही में थाने के हेड कॉन्स्टेबल गजराज सिंह थाना मासलपुर की अहम भूमिका रही है। इस दौरान हेड कॉन्स्टेबल परमजित सिंह, कॉन्स्टेबल राजेश, समथ सिंह, हरी सिंह एवं साइबर शाखा कॉन्स्टेबल पुष्पेंद्र कुमार शामिल रहे।

मेले में 5 महिलाओं की चैन कटी

करौली, (निसं)। करौली के फकीरा की बगीची में चल रहे शिव महापुराण कथा में उमड़ी महिलाओं को भीड़ में महिला जेब कतरों ने 5 महिलाओं की गर्दन पर हाथ साफ करते हुए सोने के पेंडल, सोने के बीज एवं सोने की चैन को चोरी कर ले गए। पता चलने पर महिलाओं ने लोगों को जानकारी दी जिसकी सूचना कोतवाली पर दी गई। कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार संतरा देवी की सोने की पातरी जिसमें सोने के 8 बीजों की बनी माला को, रेनु गुप्ता के सोने के पेंडल की बनी माला को, वैजयंती देवी की सोने की चैन, गुड्डी देवी के सोने के पेंडल की बनी माला, रवि देवी गुप्ता पत्नी कैलाश बिंदल की पेंडल की माला को महिला जेबकतरी चोर ले गई।

जितेन्द्र आंचलिया ने दिया वॉयस सैम्पल

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में रिश्त के एक मामले में पकड़े गए निर्लंबित आर.पी.एस. जितेन्द्र आंचलिया की मंगलवार को कोर्ट में पेशी हुई। आंचलिया का वॉयस सैम्पल लिया गया। न्यायालय ने आंचलिया द्वारा पेश जमानत याचिका भी खारिज कर दी। गौरतलब है कि बीते सोमवार को हुई पेशी में आंचलिया ने वॉयस सैम्पल देने से मना कर दिया था। ऐसे में मंगलवार को वापस उन्होंने वॉयस सैम्पल दिया। बता दें बीते सोमवार को आंचलिया सहित चार आरोपियों को भारी जाब्त के साथ कोर्ट में पेश किया था। जहां से उन्हें 14 दिनों के लिए जेल भेज दिया गया। उल्लेखनीय है कि एक

एनआरआई उदयपुर में रिश्त के एक मामले में पकड़े गए निर्लंबित आर.पी.एस. जितेन्द्र आंचलिया की मंगलवार को कोर्ट में पेशी हुई। आंचलिया का वॉयस सैम्पल लिया गया। न्यायालय ने आंचलिया द्वारा पेश जमानत याचिका भी खारिज कर दी। गौरतलब है कि बीते सोमवार को हुई पेशी में आंचलिया ने वॉयस सैम्पल देने से मना कर दिया था। ऐसे में मंगलवार को वापस उन्होंने वॉयस सैम्पल दिया। बता दें बीते सोमवार को आंचलिया सहित चार आरोपियों को भारी जाब्त के साथ कोर्ट में पेश किया था। जहां से उन्हें 14 दिनों के लिए जेल भेज दिया गया। उल्लेखनीय है कि एक

कोर्ट ने पांच दोषियों को 10-10 साल के कारावास की सजा सुनाई

कनपटी पर पिस्तौल लगाकर 50 हजार रुपए व सामान लूटा था

श्रीगंगानगर, (निसं)। सवा चार वर्ष पूर्व एक शोरूम संचालक की कनपटी पर पिस्तौल लगाकर 50 हजार रुपए व अन्य सामान से भरे बैग की डकैती करने के मामले में न्यायालय ने पांच दोषियों को 10-10 वर्ष कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने चार दोषियों पर 20-20 हजार रुपए और एक पर 21 हजार रुपए मुर्मां भी लगाया है। ये निर्णय अपर जिला सेशन न्यायालय संख्या-2 ने सुनाया। लोक अभियोजक सुधीर चित्तलंगिया के अनुसार इस संबंध में 21 सितंबर 2018 को कोतवाली थाने में दो बाइकों पर सवार छह अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था।

सद्भावनानगर निवासी इंद्रसिंह ने

मुकदमा दर्ज करवाया था कि वह रात करीब 9:30 बजे हनुमानगढ़ से लौटा। सुबाड़िया सर्किल उतरने के बाद उसने आरएसएस कार्यालय से अपना मोटरसाइकिल ली। तब निवोना बस्ती और धानमंडी से होते हुए जब वह जस्सासिंह मार्ग पर पहुंचा तो दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए छह व्यक्तियों ने उसे आवाज लगाकर रुकवा लिया। एक व्यक्ति ने उससे बैग छीनने का प्रयास किया तो उसने मना कर दिया। इसी दौरान मोटरसाइकिल से उतरा एक व्यक्ति उसके पास आया और कनपटी पर पिस्तौल लगाकर उसे बैग देने को कहा। उसने बैग दे दिया। इसके बाद मोटरसाइकिल सवार चले गए। कनपटी पर पिस्तौल लगाने वाले व्यक्ति

चार दोषियों पर 20-20 हजार रुपए और एक पर 21 हजार रुपए मुर्मां भी लगाया है

का चेहरा पतला और हल्की दाढ़ी मूँछें होना बताया गया था। बैग में 50 हजार रुपए, मोबाइल फोन, शोरूम की चाबियां, 5 जोड़ी पैट शर्ट बताई गई थी। पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सदर थाना क्षेत्र के गांव मोहनपुरा निवासी छह व्यक्तियों बिट्टूसिंह पुत्र नायब सिंह, राजबिंद्रसिंह उर्फ संधू, गुर्वीरसिंह उर्फ जश को आरंपीसी की धारा 341 में 1-1 माह कारावास, धारा 395 में 10-10 वर्ष कठोर कारावास, 20-20 हजार रुपए जुर्माने, दोषी जशदीप सिंह उर्फ जश को आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 में एक वर्ष कारावास और 1 हजार रुपए जुर्माने की सजा से दंडित किया।

जेईई-मेन: आवेदन प्रक्रिया जारी

कोटा, (निसं)। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन के अप्रैल सेशन के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। अब तक 60 हजार ऐसे विद्यार्थी आवेदन कर चुके हैं, जो इस वर्ष पहली बार यह परीक्षा देंगे। परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 12 मार्च रात 9 बजे तक है, जिन 8.66 लाख विद्यार्थियों ने आवेदन किया था, उन सभी विद्यार्थियों को अप्रैल परीक्षा में शामिल होने के लिए पुनः आवेदन करना होगा। इसके लिए पुराने एप्लीकेशन नम्बर व पासवर्ड के आधार पर ही आवेदन करना होगा। नए और पुराने विद्यार्थियों के आवेदन की स्थिति को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि इस वर्ष परीक्षा में बैठने वाले कुल विद्यार्थियों की संख्या 10 लाख से अधिक हो सकती है। एलन कैरियर इंस्टीट्यूट के कैरियर काउंसिलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि एनटीए द्वारा अप्रैल आवेदन में पहली बार विद्यार्थियों के स्थानीय एवं स्थानों के लिए एड्रेस प्रुफ मांगा जा रहा है।

फांसी के फंदे पर झूलता मिला पुलिस कांस्टेबल का शव

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर शहर के सदर थाना इलाके की जाटोली पुलिस चौकी पर तैनात पुलिस कांस्टेबल कांता प्रसाद लोधा का खुद के ही घर में संदिग्ध परिस्थिति में फांसी के फंदे पर झूलता शव मिलने से परिजनों में हड़कंप मच गया। घटना से परिजनों में चोच-पुकार मच गई। वहीं मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल धौलपुर की मोर्चरी में रखवाया। घटना से पुलिस महकमे में शोक छाया हुआ है। जानकारी के मुताबिक 32 वर्षीय कांता प्रसाद पुत्र फूल सिंह लोधा निवासी गिरांज कॉलोनी धौलपुर सदर थाना इलाके की जाटोली पुलिस चौकी पर कांस्टेबल के पद पर तैनात था। बीती रात कांस्टेबल चौकी पर ड्यूटी कर घर आ गया था। परिजनों ने बताया खाना खाने के बाद वह कमरे में सोने चला गया था। मंगलवार सुबह जब कमरे से



मृतक कांस्टेबल

निकलकर नहीं आया तो परिजनों ने आवाज लगाई। परिजनों ने कमरे का दरवाजा तोड़कर देखा तो कांस्टेबल फांसी का शव फांसी फंदे पर झूल रहा था। कांस्टेबल की लाश देख परिजनों में चीख-पुकार मच गई। घटना की सूचना निहालतंग थाना पुलिस धौलपुर को दी गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस

पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल धौलपुर की मोर्चरी में रखवाया

ने शव को कब्जे में लेकर मौका मुआयना किया। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल धौलपुर की मोर्चरी में रखवाया। घटना से परिजनों में हाहाकार मचा हुआ है। थाना प्रभारी विजय कुमार मीणा ने बताया कि परिजनों की मौजूदगी में मृतक का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया। कांस्टेबल की मौत पारिवारिक कलह के कारण आत्महत्या करने से हुई है या अन्य कोई कारण है इसकी पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। प्रोपर्टी व्यवसायी को धमका करोड़ रुपये वसूली करने के मामले में हिस्ट्रीशीटर दिलीपनाथ को नाई थाना पुलिस ने उच्च सुरक्षा जेल अजमेर से गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया। आरोपी दिलीपनाथ राजेन्द्र परमार हत्याकाण्ड का मुख्या आरोपी भी है।

प्रकरण के अनुसार पीड़ित सीमारामा निवासी कन्हैयालाल पुत्र हीरालाल तेली ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि मैं प्रोपर्टी खरीदने एवं बेचने का काम करता हूँ तथा मेरे गांव के दिलिपनाथ पुत्र नारायणनाथ और हेमलता कांकरिया भी प्रोपर्टी का काम करते हैं। दोनों आरोपी फिरोती की रकम वसूलने के लिए दबाव डालते हैं व मेरे मित्र नाथूसिंह निवासी नाई तथा भंवर गायरी निवासी कालारोही को अपहरण कर सेलिब्रेशन मॉल के पीछे ले जाकर मारपीट की है। हेमलता कांकरिया उनका सेटलमेंट कराती है।

आरोपी मुझसे व मित्रों से दो करोड़ इक्कीस लाख रुपये की फिरोती वसूल ली है। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा के निर्देश पर थानाधिकारी श्यामसिंह रत्नू ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी दिलीपनाथ को उच्च सुरक्षा कारागृह अजमेर से प्रोडक्शन वार्डत जरिये गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर रिमाण्ड पर लिया है। जिससे पूछताछ की जा रही है। दिलीपनाथ थाना नाई का हिस्ट्रीशीटर होकर कुख्यात अपराधी है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लाखेरी में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास किया

स्पीकर बिरला ने माता-पिता का आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को खेल मैदान जरूर भेजें

बूंदी, (निसं)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को लाखेरी को खेल क्षेत्र की अब तक की सबसे बड़ी सौगात दी। उन्होंने केशवरायपाटन विधायक चंद्रकांता मेघवाल के साथ 4.5 करोड़ की लागत से बनने वाले इनडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास किया। इस दौरान उपस्थित जनसमूह से बिरला ने कहा कि हम ग्रामीण क्षेत्र में वे सभी खेल सुविधाएं देना चाहते हैं, जिससे यहां का युवा भी विदेश में जाकर तिरंगा लहराए।

लाखेरी के खेल स्टेडियम में आयोजित भव्य कार्यक्रम में स्पीकर बिरला ने पहले विधि-विधान से पूजा अर्चना कर खेलों इंडिया के तहत बनने वाले इनडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास किया। इसके बाद वहां आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि लाखेरी का युवा भी देश का नाम रोशन करना चाहता है, लेकिन उसे कभी वह संसाधन नहीं मिले जो उसे आगे बढ़ने में मदद करते। आज उनके चेहरों पर जो उत्साह और उमंग है, उसे देखकर विश्वास हो रहा है कि यहां का युवा हाड़ौती और प्रदेश का नाम रोशन करेगा। उन्होंने कहा कि पहले चरण में यहां इनडोर स्पोर्ट्स



लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला व केशवरायपाटन विधायक चन्द्रकांता मेघवाल ने स्पोर्ट्स कंप्लेक्स निर्माण का भूमि पूजन किया।

कॉम्प्लेक्स बन रहा है, जिसमें खिलाड़ी सभी मौसम में अभ्यास कर सकेंगे। गर्मी, सर्दी, बरसात उनको लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने में बाधा नहीं बनेंगे। खेल स्टेडियम में विस्तार की अपार

संभावनाएं हैं, यहां दूसरे चरण के लिए एक विस्तृत और व्यापक योजना बनाई जाएगी। हम इसे एक ऐसे स्थान के रूप में विकसित करेंगे जहां युवा ही नहीं हर उम्र के लोग आकर लाभान्वित होंगे।

कार्यक्रम को विधायक चंद्रकांता मेघवाल ने भी संबोधित किया। स्पीकर बिरला ने माता-पिता का आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को खेल मैदान जरूर भेजें। खेलने से वे

खेलो इंडिया के तहत 4.5 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

सुविधाएं होंगी। इस कॉम्प्लेक्स में 500 दर्शक भी आ सकेंगे। इसको पूरा करने के लिए एक वर्ष का समय निर्धारित किया गया है। शिलान्यास समारोह में सामाजिक कार्यकर्ता महेंद्र शर्मा, रामबाबू शर्मा, बाबूलाल बैरवा, महावीर पारेता, शिव शंकर शर्मा, प्रदीप सोनी, मोहन राठौर, महेंद्र सैनी, अविनाश, गजानन योगी, योगेश वर्मा, महावीर गोचर, ललित महावर, राजू सैनी, दिनेश वर्मा, रवी किरण, जितेंद्र जैन, निशा जैन, राकेश सैनी, राम गोपाल गुर्जर, जगदीश मीणा, बाबूलाल सैनी, निशा जैन पारेता, लक्ष्मी सिंह हाड़ा, योगेंद्र श्रुंगी, मुकेश जितेंद्र, नीलेश तिवारी, राम सिंह चौधरी, छगन सिंह सोलंकी, माखोदा सरपंच रमेश पालीवाल, प्रधान वीरेंद्र सिंह हाड़ा उपस्थित रहे।

संक्षिप्त

मातृभाषा दिवस पर संगीष्ठा

फागी, (निसं)। कस्बे के राजकीय महाविद्यालय में मंगलवार को अन्तर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस पर एक संगीष्ठा का आयोजन प्राचार्य डॉ. एच एन गुप्ता की अध्यक्षता में हुआ। मुख्य वक्ता डॉ. हनुमान प्रसाद श्रीमाल ने संबोधित करते हुए 'ईश शिक्षा नीति में मातृभाषा विषयक एवं अन्य ज्ञानपरक बातें महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को बताई। कार्यक्रम संयोजक डॉ. वन्दना बरमेचा के साथ डॉ. अर्चना जोशी, डॉ. के के शर्मा, डॉ मनीषा शर्मा, डॉ दायमा एवं पुष्कर सिंह बगडिया के साथ महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित थे।

न्यायिक कार्यों का बहिष्कार

मालपुरा, (निसं)। बीते दिनों जोधपुर में एक अधिवक्ता की संरेआम हुई हत्या के मामले में आरोपियों पर कार्यवाही की मांग को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट जिला एवं सत्र न्यायालय जयपुर एवं रैवन्यू कोर्ट सहित मालपुरा बार में भी अधिवक्ताओं ने मंगलवार को दूसरे दिन भी न्यायिक कार्य स्थगित रखे गये। कोर्ट परिसर में दिनभर सन्नद्धता परस रहा। फरयादी कोर्ट परिसर तो पहुंचे लेकिन बिना अधिवक्ताओं के निराश होकर वापस लोट गये।

पानी की मोटर व ग्लेंडर चोरी

मनोहरपुर, (निसं)। कस्बे के मंगलम सिटी में पार्क के पास स्थित निर्माणाधीन मकान से रविवार देर रात्रि को चोर पानी की मोटर व ग्लेंडर (पल्सर काटने की मशीन) चुरा ले गए। मकान मालिक को सुबह आने पर चोरी का पता चला। मकान मालिक हल्लकारों को मोहल्ला निवासी मदन लाल मौघा ने बताया कि मकान से पानी की मोटर व ग्लेंडर (पल्सर काटने की मशीन) को देर रात्रि को अज्ञात चोर चुरा ले गए।

शिनाख्त नहीं होने पर दाह संस्कार किया

राजगढ़, (निसं)। थाना क्षेत्र के जित्तवाली की पहाड़ी तलेटी में 3 दिन पूर्व मिले अज्ञात महिला के शव को शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने नगरपालिका कर्मचारियों के सहयोग से अज्ञात महिला का अंतिम संस्कार कर दिया।

वार्षिक उत्सव में सरपंच ने विधायक पर भेदभाव का आरोप लगाया

चाकसू, (निसं)। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत बड़ा पदमपुरा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित वार्षिक उत्सव की अध्यक्षता कर रहे बाड़ा पदमपुरा सरपंच अर्जुन लाल मौघा ने पंचायत क्षेत्र में विकास कार्य नहीं होने को लेकर मंच पर मुख्य अतिथि के बतौर मौजूद क्षेत्रीय विधायक वेद प्रकाश सोलंकी को खरी-खोटी सुनाते हुए कहा कि बैठ जाइए यह आयोजन विधानसभा नहीं है।

इसी दौरान सरपंच अर्जुन लाल मौघा ने विधायक सोलंकी पर क्षेत्र में विकास कार्यों में भेदभाव का आरोप लगाते हुए बताया कि कई बार विकास कार्यों को लेकर विधायक से मिल चुका हूँ लेकिन उन्होंने ध्यान नहीं दिया। विकास कार्यों के लिए राशि मांगने पर 10 प्रतिशत कमीशन मांगा जाता है। इसके हमारे पास सबूत हैं। इस बीच विधायक के बोलने पर

चिंहित जगह पर कचरा डालने पहुंचे पालिका वाहनों को ग्रामीणों ने रोका

पावटा, (निसं)। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका में बने अस्थाई डंपिंग यार्ड में कचरा डालने के विरोध के बाद सरकार द्वारा चिंहित भूमि आवासीय होने पर वहां लोगों के बसे होने के कारण पालिका द्वारा नदी बहाव क्षेत्र में चिंहित भूमि पर डंपिंग यार्ड बनाने व कचरा डालने को लेकर वहां लोगों ने कचरा डालने का विरोध करते कचरे से

- कचरे से भरे वाहनों को लेकर इधर-उधर घूमते रहे नगरपालिका कार्मिक
- सफाई व्यवस्था के हाल-बेहाल, शहर में जगह-जगह लगे गंदगी के ढेर



सफाई व्यवस्था फेल होने से शहर की प्रमुख कॉलोनियों और चौराहों पर कचरे के ढेर लगे हुए हैं।

भरे वाहनों को खाली नहीं होने दिया उन्हें बैरंग लौटा दिया।

नगरपालिका ने पुलिस प्रशासन की सहायता से उन्हें डंपिंग यार्ड में खाली करवाने की बात कही। वहीं गौरतलब है कि अस्थाई डंपिंग यार्ड के पास में मंदिर व गौशाला भी है जिसके चलते कई गाय व पालतू जानवर डंपिंग यार्ड में जाकर कचरे में मुंड भरते थे और प्लास्टिक की थैली खाने से कई गौशाला की मौत हो चुकी थी। जिससे संक्रमण

का खतरा फैलने का डर रहता था। कई बार नगर पालिका प्रशासन को अवगत कराने के बाद समस्या का समाधान करते हुए-स्थाई डंपिंग यार्ड बनाने व कचरा डालने के लिए सरकार द्वारा भूमि चिंहित की गई थी। लेकिन वहां पहले से ही लोग बसे हुए हैं।

तब पालिका द्वारा नदी बहाव क्षेत्र में भूमि चिंहित कचरा डालना शुरू किया तो लोगों ने कचरा डालने का विरोध करते हुए नगरपालिका के कचरे से भरे वाहनों को डंपिंग यार्ड में खाली

करने का विरोध कर वापस लौटा दिया था।

इससे पालिका कार्मिक इन कचरा भरे वाहनों को लेकर करीब छह घंटे तक इधर से उधर दौड़ते रहे, आखिर कचरा डालने के लिए कहीं भी जगह नहीं मिली तो पालिका कार्यालय परिसर में इन कचरा भरे वाहनों को खड़ा करवाना पड़ा। ऐसे में पावटा प्रागपुरा नगर पालिका क्षेत्र में जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे हैं। शहर की प्रमुख कॉलोनियों और चौराहों पर कचरे के

ढेर लगने से लोगों का सांस लेना दूधर हो रहा है। वहीं राहगीरों और वाहन चालकों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। शहर के मुख्य मार्गों, बाजारों, कॉलोनियों में सफाई व्यवस्था पटरी से उतरी हुई है। नियमित रूप से कचरा नहीं उठने से इन इलाकों में चारों तरफ गंदगी का अंबार दिखाई देता है। ऐसे में कचरे के ढेर से आती बंदू लोगों के लिए परेशानी पैदा कर रही है। ऐसे में नगर पालिका अधिकारियों के खिलाफ लोगों में गुस्सा है।

अधिवक्ता वर्ग की सुरक्षा एवं संरक्षण की मांग

टोंक, (निसं)। राष्ट्रीय संयुक्त अधिवक्ता मंच ने संपूर्ण अधिवक्ता वर्ग की सुरक्षा एवं संरक्षण को लेकर जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है।

मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रशांत कुमार अग्रवाल, जिलाध्यक्ष अतिरिक्त प्रभार प्रदेश सचिव डॉ. अभिके शर्मा, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं कार्यकारी अध्यक्ष राजेश कुमार शर्मा, युवा जिलाध्यक्ष सैयद माहीन अफरोज, आसिफ शकूर खान, भजन लाल सैनी, अनुराग जैन, कैलाश प्रसाद शर्मा, फिरोज अहमद जिला महासचिव, विनोद सेन, मानसिंह गुर्जर, अनिल दिवाकर, भरत सिंह नरुका, मोहम्मद कासिम एवं शहीर खान आदि द्वारा हस्ताक्षरित ज्ञापन में बताया कि अधिवक्ता वर्ग आजादी से लेकर अब तक देश हित में सक्रिय रहा है लेकिन पिछले काफी समय से अधिवक्ता

- राष्ट्रीय संयुक्त अधिवक्ता मंच ने जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

साथियों व उनके परिवारों पर लगातार प्राणघातक जानलेवा हमले हो रहे हैं एवं कई अधिवक्ताओं को प्रशासनिक व्यवस्थाओं के कारण आत्महत्या करने के लिए भी मजबूर होना पड़ रहा है। साथ ही एडवोकेट एक्ट में अधिवक्ता को ऑफीसर ऑफ ड कोर्ट माना गया है। उन्होंने राजस्थान राज्य में सभी अधिवक्ता साथियों की सुरक्षा एवं संस्था के लिए अधिवक्ता संघ अधिनियम तत्काल प्रभाव से लागू करवाने व अधिवक्ताओं पर हमलों के आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

बालाजी की शोभायात्रा में जयकारों से गूंजा खैरथल

खैरथल, (निसं)। स्थानीय लाला जयनारायण पांचो देवी खंडेलवाल स्मृति उद्यान में नवनिर्मित भव्य बालाजी मंदिर में मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा समारोह से एक दिन पूर्व निकाली गई शोभायात्रा में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। रथ में सवार बालाजी के दर्शन करने के लिए मार्ग में जगह जगह पर भक्तों ने स्वागत करते हुए जयकारों से आकाश गुंजायमान कर दिया।

बालाजी परिवार सेवा समिति के प्रवक्ता श्याम सैनी ने बताया कि मंगलवार को सुबह नवनिर्मित मंदिर से प्रारंभ हुई शोभायात्रा के साथ विशाल कलशयात्रा निकाली गई।

उन्होंने बताया कि शोभायात्रा का पुरानी अनाज मंडी, नासिराबाद मंडी, राजन प्लाजा, रेलवे फाटक, चालीस फुटा रोड, हेमू कालानी चौक, सब्जी



नवनिर्मित बालाजी मंदिर में मूर्तियों के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से एक दिन पूर्व निकाली गई शोभायात्रा में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा।

मंडी,मेन बाजार व लक्ष्मीनारायण मंदिर चौक पर व्यापार मंडलों द्वारा भव्य स्वागत करते हुए पुष्प वर्षण किया गया।

जिसमें बालाजी परिवार सेवा समिति के घनश्याम गोयल,प्रमोद सिंघानिया, श्याम सैनी, हितेश शर्मा,

सड़क निर्माण कार्य विरोध के चलते रुका

पावटा, (निसं)। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका द्वारा वाई 15 धोबियों वाली प्लाज से लेकर हखडेत हनुमान मंदिर तक कराए जा रहे सड़क निर्माण कार्य को बिना ईओ व जेईएन को अवगत करवाये बिना पालिका के संसाधनों के तोड़फोड़ करने पर कार्य का विरोध करते हुए मौके पर काम को बंद करवा दिया गया था।

जिससे लेकर मंगलवार को खुदी सड़क को लेकर व आमजन व व्यापारियों की समस्या को देखते हुए जेईएन, ईओ ने रोके गए सड़क कार्य का निरीक्षण किया व कार्य को जल्दी ही शुरू करने का आश्वासन दिया। वहीं गौरतलब है कि 18 फरवरी को पावटा प्रागपुरा नगरपालिका जेईएन रतन गुर्जर द्वारा प्रागपुरा थाने में बिना पालिका अधिकारियों को अवगत करवाये व बिना पालिका के संसाधनों के सड़क निर्माण कार्य के चलते तोड़फोड़ करने का मामला दर्ज करवाया गया था।

वही अधिशाषी अधिकारी मनीषा यादव ने बताया कि बिना प्रशासन को अवगत करवाये तोड़फोड़ को लेकर मामला दर्ज करवाया गया था। मौके पर मेरे व जेईएन रतन गुर्जर सहित पालिका अधिकारियों कर्मचारियों को बिना अवगत करवाये व बिना पालिका के संसाधनों के तोड़ फोड़ की जा रही थी। जिससे लेकर प्रागपुरा थाने में मामला दर्ज करवाया गया था। जिसकी जांच की जा रही है।

सार-समाचार

पदयात्रा का स्वागत



बहरोड़/मुंडावर, (निसं)। अलवर के मुंडावर से कृषि भूमि के लिए नहर का पानी लाने की मांग को लेकर 15 फरवरी को पंचायत समिति मुंडावर के शहीद स्मारक से पूर्व प्रधान रोहिताश्व चौधरी एवं अपर लोक अभियोजक रामअवतार चौधरी तथा ब्लॉक कांग्रेस उपाध्यक्ष राजू खटीक रमन के नेतृत्व में शुरू हुई पदयात्रा का बानसूर में प्रवेश करने पर नारायणपुर, थानागाजी से कांग्रेस के पूर्व वरिष्ठ नेता कृष्ण मुरारी गंगावत तथा पूर्व प्रत्याशी सुनील बोहरा के नेतृत्व में भारी जन सैलाब ने पद यात्रियों का घाटा बांदरोल में समर्थन देकर स्वागत किया। वरिष्ठ नेता कृष्ण मुरारी गंगावत ने बताया कि राजस्थान के किसानों की आंदोलनकारी रणनीति के चलते सरकार के द्वारा किसानों के लिए नहर परियोजना के लिए स्वीकृत 13000 करोड़ रुपए की राशि में अलवर का नाम होने के चलते मुंडावर का नाम जुड़ने के बाद बहरोड़, नीमराना, बानसूर व थानागाजी इत्यादि क्षेत्रों के लिए डीपीआर की मांग को लेकर निकाली जा रह पदयात्रा का स्वागत किया। इस दौरान पदयात्रा का नारायणपुर, विजयपुरा, गोला का बास, नीमडी, सुजानपुर, मानकोट, हीशलहा सहित घाटा बांदरोल में देर शाम स्वागत किया गया।

सम्मेलन में 4 जोड़ों का विवाह हुआ



राजगढ़, (निसं)। श्री श्याम सेवा समिति की ओर से सर्व जातीय विवाह सम्मेलन में 4 जोड़ों का विवाह उत्साह एवं उल्लास के साथ आयोजित हुआ। गायत्री शक्तिपीठ पर आयोजित विवाह सम्मेलन में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ सुनीता शर्मा एवं चेतली खंडेलवाल ने विवाह संस्कार संपन्न कराए। श्री श्याम सेवा समिति के अध्यक्ष जगदीश सैनी ने बताया कि इससे पूर्व नेहरू सचिबल से 4 दूल्हों की निकासी बैंड बाजे के साथ प्रारंभ हुई। गायत्री मंदिर में सामूहिक तोरण के रस अदा की गई। गायत्री शक्तिपीठ स्थित गायत्री मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ आशा गुराशोक, सोनिया संग रामदयाल, अरुणा संग पूर्ण एवं योगिता संग गोपाल का विवाह धूमधाम से आयोजित हुआ। श्री श्याम सेवा समिति की ओर से सभी जोड़ों को दान एवं उपहार भेंट किए गए।

टक्कर से ऊंट की मोटी, दो जने घाल

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा क्षेत्र में पावटा नरेडा रोड पर ढाणी नीमडी वाली ग्राम द्वारिकपुर में तेज रफ्तार ट्रैला पैदल चल रही एक महिला व एक बच्ची को टक्कर मारता हुआ आगे चल रही ऊंट गाड़ी में जा घुसा। जिससे ऊंटगाड़ी में चालक सहित एक अन्य व्यक्ति गंभीरा घायल हो गया। वहीं प्रागपुरा थाने में मामला दर्ज करवाते हुए शिवराम सिंह पुत्र प्रभाती लाल गुर्जर निवासी दांतिल ने बताया कि मेरे चचेरे भाई की पत्नी ग्यारसी देवी पत्नी हीरालाल गुर्जर खेत से पैदल पैदल अपनी पोती जिया पुत्री सुभाष चंद्र को लेकर घर आ रही थी। तभी नरेहड़ा पावटा रोड पर ढाणी नीमडी वाली ग्राम द्वारिकपुर में पहुंची तो एक ट्रैलर जिसका नंबर यूपी 75 बीटी 8173 का चालक तेज गति व लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाते हुए अपनी साइड कच्चे में चल रही ग्यारसी देवी व जिया के टक्कर मारता हुआ आगे चल रही ऊंट गाड़ी के भी टक्कर मारी जिनसे ऊंट गाड़ी घालक मदन स्वामी पुत्र रामचंद्र स्वामी, पूरण पुत्र भूरादास स्वामी निवासी भूरी भडाज व ग्यारसी देवी पत्नी हीरालाल गुर्जर, जिया पुत्री सुभाष चंद्र के शरीर पर विभिन्न जगह गंभीर चोटें आईं और वही ऊंट की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

गांवों में भी पेट्रोल की चोरी होने लगी

मालपुरा, (निसं)। पुलिस व प्रशासन की लचर गश्त व्यवस्थाओं के चलते शहरों के बाद अब ग्रामीण क्षेत्र में भी वाहनों में पेट्रोल-डीजल चोरी की वारदातें होने लगी हैं। पुलिस का आदर्श वाक्य अपराधियों में डर आमजन में विश्वास अब चोरी के बदल कर आमजन में डर अपराधियों में विश्वास कर दिया। शहरी क्षेत्र में हो रही चोरियों में एक भी वारदात का बीते एक साल में खुलासा नहीं हो सका। सोमवार को रात नगर गांव में देवेश लक्षकार के घर के बाहर खड़ी कार का पाईप काट चोरी ने पेट्रोल चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पंचेवर थाना पुलिस को मामले की सूचना दी गई लेकिन कोई सार्थक परिणाम नहीं मिला। कमोबसे यही हाल मालपुरा शहर सहित डिग्गी, पंचेवर,लानाबहारसिंह, थाना क्षेत्रों का है। जहां चोरी की वारदातें तो लगातार बढ़ रही हैं लेकिन पुलिस चोरों के आगे नाकाम साबित हो रही है।

डॉ. अल्का सिंह गुर्जर का जन्मदिन मनाया

कोटपूतली, (निसं)। भाजपा राष्ट्रीय मंत्री डॉ. अल्का सिंह गुर्जर का जन्मदिन मंगलवार को क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा बडे ही धुमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाते हुए सेवा कार्यो का आयोजन कर उनकी लम्बी उम्र की कामना की गई। वरिष्ठ भाजपा नेता शंकर लाल कसाना के द्वारा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय अमाई में विद्यार्थियों को स्कुली बैग व अध्ययन सामग्री का वितरण किया गया। इस दौरान सरपंच लीलापाम कसाना, गुल्लाराम कसाना, रामजीलाल भगतजी, समाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्र सहित अन्य लोग मौजूद थे।

न्यायालयों में कार्य बहिष्कार जारी

कोटपूतली, (निसं)। जोधपुर में हुई अधिवक्ता जुराज चौहान की नृशंस हत्या की घटना के विरोध में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी यहां के न्यायालयों में पेन डाउन हड़ताल जारी रही। अधिभाषक संघ अध्यक्ष एड. राजेश कुमार चौधरी के मुताबिक अधिवक्ता की नृशंस हत्या सहित एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट की मांग के चलते न्यायालयों में न्यायिक कार्य स्थगित करते हुए पेन डाउन हड़ताल रही। साथ ही इस बाबत मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में किये जाने, पीडित परिवार को एक करोड़ रूपये मुआवजा व सरकारी नौकरी सहित पीडित परिवार को पुलिस सुरक्षा की मांग भी की गई है।

बनास नदी में अवैध बजरी खनन को लेकर हमला किया

टोंक, (निसं)। बनास नदी सोमवार रात उस समय जंग का मैदान बन गई जब अवैध खनन को लेकर माफियाओं ने हमला कर दिया। इसमें सरवराबाद निवासी तीन जने गम्भीर घायल हो गए।

घायलों को देर रात टोंक के ससादत अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से एक घायल की हालत गम्भीर होने पर जयपुर रैफर कर दिया। सूचना के बाद पहुंची सदर थाना पुलिस ने घायलों के बयान लिए। सदर थाने के उपनिरीक्षण बाबूलाल खटाणा ने बताया कि सरवराबाद निवासी घायल हनुमान सैनी ने बयान दिया कि उसपर और भगवानदास सैनी व नवतन सैनी पर हमला नगर परिषद के वार्ड 2 के भाजपा पार्षद मुकेश कश्यप, श्रवण सैनी समेत एक दर्जन माफियाओं ने किया है। उसने आरोप लगाया कि ये सभी लोग बनास नदी में लीज क्षेत्र के बाहर अवैध रूप से बजरी का खनन करते हैं। जबकि



घायलों को देर रात टोंक के ससादत अस्पताल में भर्ती कराया।

हनुमान लीज धारक के लिए कार्य करता है। रात को वह अपने कार्य पर था, वहीं श्रवण और भाजपा पार्षद मुकेश कश्यप करीब एक दर्जन लोगों के साथ आए और खनन में दखल

- तीन जने घायल, घायलों ने बताया हमला करने वाले भाजपा का पार्षद समेत अन्य थे

मुकेश कश्यप समेत अन्य हमलावर भाग छूटे। हनुमान ने सदर थाना पुलिस ने पार्षद मुकेश कश्यप व श्रवण सैनी समेत अन्य के खिलाफ जानलेवा हमला करने की रिपोर्ट दी है। पुलिस ने बताया कि घायलों में हनुमान की हालत गम्भीर होने पर उसे जयपुर रैफर किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने मुकेश कश्यप, श्रवण सैनी, मोहन, आशााराम, दिलराम, बिंदू, हर्जो, सोनु, सीताराम पटेल के खिलाफ मौबाइल और राशि छीनने तथा मारपीट का मामला दर्ज किया है।

भंडारा व विश्राम शिविर 25 से

श्रीमाधोपुर, (निसं)। श्री श्याम सेवा समिति श्रीमाधोपुर की ओर से श्याम बाबा के मेले में आ रहे पदयात्रियों के लिए रात्रि विश्राम, पदयात्री सेवा करने के उद्देश्य 27 वा विशाल निःशुल्क भंडारा श्रीमाधोपुर के रेलवे स्टेशन रोड पर स्थित होटल अरुण पैलेस के पास स्थित श्री मनोहर जी पटवारी के प्लॉट में 25 फरवरी शनिवार से 3 मार्च शुक्रवार तक आयोजित किया जाएगा।

ब्राह्मण महापंचायत की तैयारी बैठक

श्रीमाधोपुर, (निसं)। श्री गौड विप्र परिषद समिति के अध्यक्ष एडवोकेट राजेंद्र शर्मा ने विप्र बंधुओं से आवाहन किया है कि 19 मार्च 2023 को जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित होने वाली ब्राह्मण महापंचायत के संबंध में पूर्व तैयारियों को लेकर 26 फरवरी को शाम 5:30 बजे श्री गौड विप्र परिषद भवन के परशुराम सभागार में एक आवश्यक बैठक आहूत की गई है। जिसमें विप्र बंधु पथारों।

पनियाला गांव के आम रास्तों में जल भराव की समस्या

कोटपूतली, (निसं)। कहने को तो कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र में विकास की गंगा बहाई जा रही है।

लेकिन हाल ही में प्रस्तावित कोटपूतली जिला मुख्यालय के ग्राम पनियाला में जन प्रतिनिधियों कि अनदेखी के चलते पिछले छह माह से लोगों का ना केवल घरों के निकलना दुभर हो रहा है बल्कि आम रास्ते में किचड़ व नालियों का पानी जमा होने से मौसमी बिमारियों का भी खतरा मंडराने लगा है। आपको बता दें कि होली चौके से लेकर ज्ञान भारती स्कुल, वाई नं. 2 स्थित गुर्जों व ब्राह्मणों के मोहल्ले की ओर विगत 6 माह से जल भराव की स्थिति होने के कारण आवागमन बाधित है।

ग्रामीणों ने बताया कि आम रास्ते पर जल भराव होने के कारण बुर्जुओं व स्कूल आने जाने वाले विद्यार्थियों को भारी समस्या का सामना करना पड़ता है। आये दिन ग्रामीण एसमें गिरकर चोटिल होते रहते हैं। जिसको लेकर ग्रामीणों द्वारा



पनियाला गांव के आम रास्तों में गंदा पानी भरा हुआ है।

कई बार ग्राम पंचायत से लेकर शिकायत की गई लेकिन अभी तक कोई जनप्रतिनिधियों व स्थानीय प्रशासन को ठोस कार्यवाही नहीं हुई।

